मूल्य - 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

अक्टूबर - 2018
वर्ष 7, अंक 1, पृ.सं. 20

आनन्द वृद्धाश्रम स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना करती आवासी महिलाएँ

आनन्द वृद्धाश्रम :

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
रु. 15000 /- 200 बच्चे, रु. 30,000/- 400 बच्चे, रु. 1,50,000/- 2000 बच्चे

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

उम्र ना बढ़ने की एक सम्भावना है, लेकिन वो आपके अन्दर से आनी होगी।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुल सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

फोटोग्राफी
अरविन्द शर्मा

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर	02
अनुक्रमणिका	03
लेख 1 : मानव मन	04
लेख 2 : मेहमान (हम)	05
तारा नेत्रालय : संपूर्ण प्रक्रिया / विशेष ऑपरेशन	06-08
आनन्द वृद्धाश्रम : वृद्ध युगलों की आपबीती / स्वास्थ्य की देखभाल	09-11
गौरी योजना / तृप्ति योजना	12
स्कूल के कुछ विद्यार्थियों की रुचिकर कहानियाँ	13
न्यूज ब्रीफ	14-15
विनम्र अपील / नेत्र शिविरों में विशिष्ट व्यक्ति	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	17
धन्यवाद / अभिनन्दन / स्वागत सम्मान	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' की सन्निधि में, साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

मानव मन

ईश्वर की बनाई सबसे अद्भुत रचना है तो ''मानव मन'' यों तो पूरा शरीर ही अपने आप में अनूठा है लेकिन हजारों कोशिकाओं से मिलकर ये मस्तिष्क बना है उसने हमें प्रकृति की जीवन शृंखला में सबसे आगे खड़ा कर दिया है। ये मन या मस्तिष्क ही है जो सृजन या संहार दोनों की रचना करता है। अच्छे–से–अच्छा कम्प्यूटर वो नहीं कर सकता जो मन कर सकता है क्योंकि मन सोचता है और उस सोच की कोई सीमा नहीं है लेकिन बड़े से बड़ा सुपर कम्प्यूटर भी वहीं तक सोचता है जहाँ तक हम मनुष्यों ने उसे प्रोग्राम किया है।

फर्क यहीं से शुरू होता है मशीनों और इंसानों में संवेदनाएँ हैं, प्यार है, नफरत है, गुस्सा भी है। तारा संस्थान में हम संवेदनाओं से भरे हुए मनों को ज्यादा देखते हैं। आप सभी जो ''तारा'' को सहयोग करते हैं उनके दिमाग में कोई तो रसायन औरों से भिन्न होता होगा तभी तो वे अपने मेहनत के कमाए धन का एक अंश दान दे देते हैं। कोई तो ऐसी बात है जो उनमें संवेदनाएँ जगाती हैं। मैंने कितने ही ऐसे दानदाता देखे हैं जो दूसरों के दर्द से इतना द्रवित होते हैं कि वृद्धाश्रम विजिट के समय ही रोने लगते हैं उनसे देखा ही नहीं जाता है जबकि हमारा प्रयास हमेशा यह होता है कि वृद्धाश्रम के आवासियों से कोई भी कुरेद कर उनकी तकलीफ ना पूछे। मैं तो निःशब्द हो जाती हूँ उन संवेदनाओं के प्रति हालांकि मुझे भी कई बार रोना आ जाता है जब मैं बुजुर्गों की तकलीफ सुनती हूँ या फिर छोटी–छोटी बच्चियों, जो विधवा हो गई उनकी तकलीफ सुनती हूँ। ऐसी महिलाएँ भी आती हैं जिनके पति का निधन हुए कुछ महीने ही होते हैं लेकिन वे जिन्दगी की जंग लड़ने बाहर निकलती हैं घर छोड़कर चाहे तो तलाश नौकरी की हो या 1000 रु. महीना की गौरी योजना की पेंशन की। 1000 रु. कितना कीमती है ये आप किसी भी गौरी योजना की लाभांवित महिला से मिलें तो पता चल जाएगा।

ये मन कितना विचित्र है कि वो माता–पिता जिन्होंने अपने बच्चों को पाल पोस के बड़ा किया, बच्चों के तिरस्कार से आहत हो जाते हैं क्योंकि वे संवेदना से भरे हैं लेकिन यही मन मजबूत भी इतना है कि वे उस घर को ही छोड़ देते हैं जो उन्होंने बनाया और बच्चों के नाम कर दिया। तिरस्कार से बेहतर उन्हें सड़क पर जीवन बिताना बेहतर लगता है। इसी तरह के मजबूत मन वाली हमारी गौरी योजना से लाभान्वित विधवा महिलाएँ हैं जो अपने आप को झोंक कर बच्चों को पढ़ा रही हैं हमारे समाज में खासकर लोअर मिडिल या लोअर क्लास में अकेली महिलाओं के लिए जिन्दगी कितनी मुश्किल है लेकिन वे बस मन कड़ा किए लगातार संघर्ष कर रही हैं।

हमारी संस्कृति में तो दान एक परंपरा रही है। बहुत से लोग ऐसे भी देखें हैं जो दान देने का भी बहाना ढूंढ़ते हैं। तारा संस्थान जो भी काम कर रही है उसमें अधिक संख्या में लोगों का थोड़ा–थोड़ा दान आता है लेकिन उससे भी कितना काम हो रहा है। मुट्ठी भर लोगों के मन में जो रसायन काम कर रहा है वो यदि बहुत सारे लोगों में काम करें तो सोचिए कि कितने लोगों की तकलीफें कम हो जाएँगी। मुझे लगता है कि वह रसायन होगा तो सबके मस्तिष्क में लेकिन कहीं लुप्त प्रायः होगा, जरूरत है उसे जगाने की, हम तो प्रयास करते ही हैं आप भी अपने आस–पास के एक दो लोगों में उसे जगा सकते हैं।

कोशिश करके देखें, बहुत आनन्द आएगा।

सादर...

कल्पना गोयल

मेहमान (हम)

एक बार रुटीन में, मैं और कल्पना जी आनन्द वृद्धाश्रम में गए अभी 22 अप्रैल, 2018 को नये भवन के उद्घाटन के बाद काफी बुजुर्ग वृद्धाश्रम में आ रहे हैं रहने को तो अकसर वहाँ जाना हो ही जाता है। उस दिन हमें वहाँ के दो तीन बुजुर्गों ने न्योता दिया कि कल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी है और आपको और कल्पना जी को सपरिवार आना है जरूर से रात 8 बजे से मध्यरात्रि तक श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाएँगे। एक सुखद आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहली बार हो रहा था कि बुजुर्ग लोग हमें निमंत्रित कर रहे थे, हमनें हाँ कह दी।

जैसे ही वृद्धाश्रम में प्रविष्ट हुआ दरवाजे के बाहर ही गुब्बारे और केले के पत्रों की सजावट थी ऊपर मंदिर में पहुँचा तो सारा माहौल संगीतमय था। बुजुर्गों ने अपने संगीत टीचरों को बुला रखा था हारमोनियम, ढोलक, मंजीरों के बीच बुजुर्गों का भजन गाना और नाचना सच में अद्भुत अनुभव था। प्रसाद में फल, पंजीरी चरणामृत सब कुछ मंदिर में भी गुब्बारों की सजावट भगवान जी का शृंगार सब बेहद सुंदर था। भजन नाच गाने में समय कैसे निकला पता ही नहीं चला कि रात के 12 बजे गए।

प्रसाद वगैरह ले करके जब वापस घर जा रहा था तो मन में बहुत बड़ा सुकून था जो कि वृद्धाश्रम में आकर पहली बार लगा था। इससे पहले जब भी मैं वृद्धाश्रम जाता तो रहने वाले बुजुर्गों में पारिवारिक भावना ढूँढता था, एक ऐसी जगह जिसे लोग अपना घर मानकर रहे और साथ में रहने वालों को अपना मित्र या सखा से ज्यादा समझें एक परिवार की तरह। मेरी सोच बिलकुल ऐसी नहीं थी कि वृद्धाश्रम में रहने वालों में प्रेम अनिवार्य रूप से हो, हकीकत की दुनिया में परिवारों में भी प्रेम अनिवार्य नहीं होता तो अलग अलग जगहों, परिवारों, जीवन स्तरों के लोगों में जबरदस्ती प्यार पैदा करना संभव ही नहीं है। हाँ, लेकिन मेरी सोच में ये जरूर था कि आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्ग एक दूसरे के सुख दुःख में काम आएँ। किसी भी मजबूरी में वो मिले हों तो भी अपने साथ रहने वालों को अपना मानें।

लेकिन हकीकत में ऐसा था नहीं, मित्रता थी तो कुछ–कुछ छोटे समूहों में कोई दो एक ही राज्य के मित्र थे तो कोई दो चार किसी अन्य कारण से मित्र थे। सुख दुःख में भी काम आते थे पर जिस उमंग से आना चाहिए वो थोड़ा मिसिंग था। जबसे नये वृद्धाश्रम में आए हैं और बुजुर्गों की संख्या बढ़ने लगी और संगीत कक्षा होने लगी मुझे थोड़ा बदलाव लगने लगा और इस जन्माष्टमी ने तो मेरी उम्मीदों को पर लगा दिए हैं। जिस तरह से सबने मिल कर यह उत्सव मनाया बिलकुल ऐसा लगा कि मानो एक परिवार में उत्सव हो सब इतने खुश थे और ये सब स्वस्फूर्त था, इसमें मेरी या कल्पना जी की पहल बिलकुल नहीं थी कोई मजबूरी या दबाव नहीं था कि यह त्योहार मनाया जाये, बस दिल की उमंग थी जो दिख रही थी। सबसे बड़ी बात जो लगी वो ये थी कि हमें वृद्धाश्रम आवासियों ने निमंत्रित किया था जैसे मेहमानों को बुलाते हैं कि हमारे घर में उत्सव है आप जरूर आना।

सच में उनका घर ही तो है।

दीपेश मित्तल

तारा नेत्रालयों में मरीजों की ओ.पी.डी. से ऑपरेशन एवं छुट्टी होने तक की संपूर्ण प्रक्रिया : 1

ओ.पी.डी. में जमा मरीजों की भीड़

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन) 17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

थोड़ा ठंड का मौसम आते ही तारा नेत्रालय में मरीजों की भीड़ लग जाती है आइए समझते हैं तारा नेत्रालयों में मरीजों की ओ.पी.डी. से ऑपरेशन एवं छुट्टी होने तक संपूर्ण प्रक्रिया :

सर्वप्रथम मरीज पूर्व समय लेकर अथवा सीधे ही ओ.पी.डी. के रिसेप्शन पर पहुँचता जहाँ उनसे फार्म भरवाए जाते हैं। तत्पश्चात् उन्हें क्रम संख्या से ऑप्टोमीट्रिस्ट रूम में भेजा जाता है जहाँ उनकी नजर (विजन) की जाँच की जाती है। नजर की जाँच के बाद मरीज को डॉक्टर के पास भेजा जाता है जहाँ डॉक्टर द्वारा जाँच करके आवश्यकतानुसार मरीज की आँखों में दवाई डालकर डाइलेट करने हेतु भेज दिया जाता है। डाइलेट करने के पश्चात् पुनः जाँच के पश्चात डॉक्टर द्वारा निम्नानुसार प्रक्रिया अपनाई जाती है :

पहला : जिन रोगियों को मामूली समस्या होती है उन्हें दवाइयाँ देकर भेज दिया जाता है।

दूसरा : पी.एम.टी. (प्री मेडिकल टेस्ट) जो चश्मे के नम्बर निकालने के लिए किया जाता है जिसके बाद मरीज को अगले दिन पुनः वास्तविक नम्बर देने हेतु बुलाया जाता है।

तीसरा : यदि जाँच में मोतियाबन्द पाया जाता है तो मरीज को प्रीपेरेशन रूम में भेजा जाता है जहाँ बी.पी. व शुगर चेक करके ऑपरेशन की तारीख दी जाती है। ऑपरेशन की तारीख के एक दिन पहले मरीज को बुलाकर सभी जाँचें जैसे बी.पी., शुगर आदि पुनः की जाती है। फिर अगले दिन मोतियाबिन्द का ऑपरेशन किया जाता है।

तीसरे दिन सुबह पट्टी खोलकर उन्हें दवाइयों आदि की काउन्सलिंग देकर वार्ड से छुट्टी (डिस्चार्ज) कर दिया जाता है। डिस्चार्ज (छुट्टी) होने के 5 दिन बाद मरीज को फॉलो–अप जाँच के लिए बुलाया जाता है अगला फोलो–अप एक महीने बाद होता है उसमें उन्हें चश्मे दिए जाते हैं। इस प्रकार शुरू से अन्त तक की प्रक्रिया सम्पन्न होती है।

रिसेप्शन पर एक मरीज

ऑप्टोमीट्रिस्ट रूम में मरीज की जाँच

तारा नेत्रालयों में मरीजों की ओ.पी.डी. से ऑपरेशन एवं छुट्टी होने तक की संपूर्ण प्रक्रिया : 2

डॉक्टर द्वारा मरीज की जाँच

डाइलेशन हेतु दवाई डालते हुए

बी.पी. की जाँच

मरीज को ऑपरेशन की तारीख देते हुए

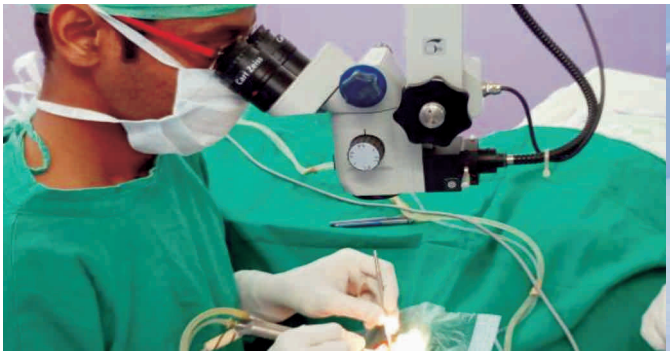

ऑपरेशन थिएटर में एक ऑपरेशन प्रक्रिया

ऑपरेशन पश्चात् वार्ड में एक मरीज

तीसरे दिन पट्टी खोलते हुए एक नर्सिंग स्टाफ

अस्पताल से छुट्टी के बाद घर लौटते हुए कुछ मरीज

इसके पश्चात् 5 दिन व 30 दिन बाद फॉलोअप हेतु मरीज को पुनः नेत्रालय में आना होता है।

विशेष ऑपरेशन : दिव्यांश सुहालका

दिव्यांश सुहालका एक 8 वर्षीय स्कूली छात्र है। एक दिन उसके पिता जी (जो कि एक छोटीसी किराने की दुकान चलाते हैं) के पास दिव्यांश के अध्यापक का फोन आया कि वह बच्चा आँखों की समस्या से ग्रस्त है उसे ब्लेक बोर्ड पर लिखा साफ दिखाई नहीं देता है सो उसको तुरंत किसी अस्पताल में आँखों की जाँच हेतु ले जाओ। परेशान पिता श्री दिलखुश सुहालका एक के बाद दूसरे अस्पताल ले गए एवं उन्होंने जाँच के बाद बताया कि ऑपरेशन करना होगा लेकिन दिलखुश को जब ऑपरेशन का खर्चा भारी लगा तो थोड़े सहम गए कि क्या होगा? क्योंकि इतना पैसा उनके पास नहीं था। फिर किसी परिचित ने उन्हें तारा नेत्रालय, उदयपुर जाने की सलाह दी। तारा में जाँच के पश्चात् बालक दिव्यांश की दोनों आँखों में मोतियाबिन्द पाया गया। चूंकि बालक छोटी उम्र का था सो डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन करने का फैसला लिया। 26 सितम्बर, 2018 को दिव्यांश की दांयी आँख का ऑपरेशन किया गया एवं बालक की दृष्टि लौटाई गई। दूसरी आँख का ऑपरेशन भी जल्द ही किया जाएगा। दिव्यांश के माता–पिता बहुत प्रसन्न हैं एवं तारा संस्थान की प्रशंसा करते नहीं थकते। **वे कहते हैं कि उनकी एकमात्र संतान का जीवन अंधकारमय होने से बचा लिया आप लोगों ने, आभार।**

तारा नेत्रालय लोनी, गाजियाबाद

श्री जे. पी. शर्मा, शिक्षाविद् दिल्ली ने लोनी (उ. प्र.) में प्रस्तावित तारा नेत्रालाय हेतु ज़मीन दान दी जिसका भूमि पूजन 11 जुलाई को किया गया। इस भूमि पर नेत्रालय हेतु भवन निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।

जो काँटे बोते हैं उन्हें फूल की आशा कभी नहीं करनी चाहिए।

आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश लेने वाले कुछ वृद्ध युगलों की आपबीती :

श्रीमती सुशीला एवं श्री गौतम जैन : आनन्द वृद्धाश्रम की सभी सुविधाएँ श्रेष्ठ है।

जैन दम्पति आनन्द वृद्धाश्रम की लाइब्रेरी में पढ़ते हुए

हैदराबाद निवासी श्री गौतम जैन (64 वर्ष) सपत्नी 20 सितम्बर, 2018 से आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे हैं। श्री जैन पहले किसी दुकान पर कार्य करते थे फिर शेयर मार्केट में कार्य करने लगे लेकिन इस बाजार से उन्हें 2007 में भारी नुकसान हुआ और उनके सारे पैसे फंस गए। ऐसी स्थिति में पति–पत्नी दोनों किराए के मकान में अपना बुढ़ापा बीता रहे थे। इनके कोई संतान नहीं है तथा कोई निकट के रिश्तेदार भी सहायता नहीं कर पा रहे थे सो उन्होंने अपने बाकि जीवन को गुजारने के लिए वृद्धाश्रम की तलाश शुरू की। हैदराबाद में भी अनेक आश्रम देखे पर कोई जगह रास नहीं आई। फिर उन्होंने टी.वी. पर तारा संस्थान का कार्यक्रम देखा एवं आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने फोन किया। जब उन्होंने वृद्धाश्रम में प्रवेश का अनुरोध किया तो उन्हें यहाँ बुला लिया गया। श्रीमती सुशीला जैन बताती हैं कि उन्हें एक कमरा आवंटित किया गया जो कि बहुत ही आरामदायक एवं समस्त सुविधायुक्त है। वृद्धाश्रम की सारी सुविधाएँ श्रेष्ठ हैं एवं जैन दम्पति तारा संस्थान के दानदाताओं को धन्यवाद कि तारा संस्थान के माध्यम से उन्हें अपने बुढ़ापें में आराम से रहने की व्यवस्था मिल गई है।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग) 01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश लेने वाले कुछ वृद्ध युगलों की आपबीती : श्रीमती रजिया एवं श्री शाहिद अख़्तर : कोई अगर सचमुच मदद करना चाहता है तो तारा संस्थान के माध्यम से करें

अख़्तर दम्पति आनन्द वृद्धाश्रम के अपने कमरे में

बीमा (म.प्र.) वासी श्री अख़्तर पहले कपड़ों का धंधा करते थे जिसमें उन्हें भारी नुकसान होने पर उन्होंने होटल क्षेत्र में महाराष्ट्र में काम करना आरम्भ किया। जीवन जैसे–तैसे ठीक–ठीक चल रहा था कि श्रीमती रजिया को लकवा मार गया तबसे वह बिलकुल निःसहाय हो गई। इलाज हेतु श्री शाहिद उन्हें अनेक अस्पताल ले गए, कई डॉक्टरों को दिखाया। इसी चक्कर में उनकी आर्थिक स्थिति बिलकुल खराब हो गई। इनका स्वयं का कोई घरबार, व्यवसाय या बैंक बैलेंस भी नहीं रहा फिर भी रजिया जी के इलाज की खातिर वह उन्हें अनेक शहरों के अस्पतालों में ले गए। कहीं कुछ फर्क नहीं पड़ा तो कहीं इलाज का असर हुआ जैसे कि कर्नाटक में। लेकिन मरीज रजिया एक दिन बाथरूम में फिसलकर गिर पड़ी तबसे उनकी स्थिति फिर बिगड़ गई। बिना सहारे के बिस्तर से उठ भी नहीं पाती हैं। फिर एक दिन शाहिद जी ने नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर में ईलाज के बारे में सुना तो रजिया जी को यहाँ ले आए जहाँ ईलाज चला। फिर भी उनकी स्थिति नाजुक ही है। नारायण सेवा से किसी ने उन्हें तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में बताया एवं उनको वहाँ भेज दिया। इसी माह सितम्बर मध्य से ये दोनों वृद्ध युगल आनन्द वृद्धाश्रम में एक कमरे में रह रहे हैं। चूंकि यह युगल निःसंतान हैं एवं उनके कोई निकट के रिश्तेदार भी नहीं रहे हैं सो श्रीमती रजिया एवं श्री शाहिद अख़्तर को यहाँ पर रह कर काफी राहत मिली है। आनन्द वृद्धाश्रम की तारीफ करते हुए श्री शाहिद कहते हैं कि वह देशभर घूमे हैं परन्तु ऐसा वृद्धाश्रम कहीं नहीं देखा। यहाँ रहने वाले अन्य वृद्ध भी उन्हें बहुत सहयोग व सहायता करते हैं जैसे कि पिछले दिनों जब रजिया जी का शुगर लेवल बहुत अधिक होने पर जब उन्हें अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा तो यहाँ के लोगों ने हर तरह से बहुत साथ दिया। श्रीमती रजिया व श्री शाहिद अख़्तर गद्‌गद् होकर कहते हैं कि कोई अगर सचमुच मदद करना चाहता है तो तारा संस्थान के माध्यम से करें जो कि आनन्द वृद्धाश्रम जैसा भलाई का कार्यक्रम चला रहे हैं।

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति 3500 रु. (एक समय)

एक अच्छे अधिकारी के पाँच गुण होते हैं - सक्षमता, ईमानदारी, तत्परता, धैर्य और निष्पक्षता।

आनन्द वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के स्वास्थ्य की देखभाल

एक गंभीर बीमारी से पीड़ित वृद्धाश्रमवासी की दवाइयाँ लिखते हुए डॉक्टर

आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों को न सिर्फ रहने–खाने व मनोरंजन आदि की समस्त सुविधाएँ निःशुल्क हैं बल्कि उनके स्वास्थ्य का भी पूर्ण ख्याल रखा है। हर महीने डॉक्टर व सहायक स्टाफ वृद्धाश्रम में स्वयं उपस्थित होकर एक–एक वृद्ध की जाँच करते हैं जिन्हें अतिरिक्त जाँच की आवश्यकता होती है उनकी लेब इत्यादि में जाँच की समुचित व्यवस्था की जाती है। जाँचों के पश्चात् डॉक्टर सा. आवश्यकतानुसार दवाइयाँ लिखते हैं जिसे वृद्धाश्रम में चौबिसों घंटे उपलब्ध नर्सिंग स्टाफ व मैनेजमेंट की सहायता से लोगों को समय–समय पर दी जाती है। जो किसी गंभीर बीमारी के शिकार होते हैं उन्हें सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में दिखा कर आवश्यकता पड़ने पर भर्ती करवा कर समुचित ध्यान रखा जाता है।

गौरी योजना :

तारा संस्थान की सहायता से मेरे बच्चे जरूर बड़े बनेंगे : श्रीमती चौसर बाई

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता) 01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

उदयपुर की एक गरीब बस्ती में किराए पर रह रही चौसर बाई (30 वर्ष) के पति की मृत्यु बीमारी के से हो गई जिससे इस कम उम्र विधवा व उसके 2 लड़के व 1 लड़की के जीवन में मुसीबतें आन पड़ी। उसके घर में कोई काम करने वाला नहीं बचा। चौसर बाई स्वयं अनपढ़ ग्रामीण महिला है सो 3 बच्चों का गुजारा किस प्रकार चलाए? कोई किसी प्रकार की मदद कहीं से नहीं मिल पा रही है ऊपर से बच्चों की पढ़ाई एवं स्कूल की फीस इत्यादि का खर्चा। तारा संस्थान ने चौसर बाई की दयनीय स्थिति देखकर उसके बच्चों को शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में दाखिला दे दिया एवं चौसर बाई को गौरी योजना के अन्तर्गत मदद देना आरम्भ कर दिया। अब चौसर बाई सिर्फ बच्चों की पढ़ाई की चिंता से मुक्त है बल्कि उसके घर का गुजारा भी जैसे–तैसे हो जाता है। अब चौसर बाई के बच्चे शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा पा रहे हैं उन्हें स्टेशनरी से लेकर यूनिफार्म तक सब कुछ बिलकुल मुफ्त मिल रहा है। इसके अतिरिक्त बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद एवं भ्रमण इत्यादि गतिविधियाँ भी संचालित की जाती हैं। चौसर देवी को आशा है कि तारा संस्थान के इस तरह की सहायता से उसके बच्चे जरूर स्वावलम्बी बनकर जीवन में ऊंचे उठ पाएंगे।

तृप्ति योजना :

दानदाता तो ईश्वर तुल्य हैं : लाभार्थी श्री गमाना जी

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)
01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

वृद्ध श्री गमाना जी की पत्नी की बरसों पहले कुएँ में गिरकर मृत्यु हो गई। फिर माँ और भाई भी चल बसे। अतिवृद्ध व बीमार गमाना जी की एक टूटी–फूटी झोंपड़ी में अकेले रहते हैं। पहले जब हाथ–पैर चलते थे तो कुछ मजदूरी कर गुजारा कर लेते थे लेकिन अब क्या करें? सिर्फ ईश्वर के सहारे जिन्दा हैं, इनके कोई बाल–बच्चे भी नहीं हैं। कभी स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ जाए तो बहन व भतीजे की पत्नी सार–संभाल कर लेते हैं। लेकिन अस्पताल बहुत दूर होने के कारण नहीं जा पाते। तृप्ति योजना के तहत तारा संस्थान, उदयपुर इनको 5 वर्षों से राशन व रु. 300 नकद देता आ रहा जिसके चलते वह जीवित हैं। गमाना जी कहते हैं कि जिन दानदाताओं की मदद उन्हें मिल रही है वे तो ईश्वर तुल्य है। आप सबकी जय हो।

शक्तिमान होने में बड़प्पन नहीं, शक्ति का सदुपयोग करने में बड़प्पन है।

स्कूल के कुछ विद्यार्थियों की रुचिकर कहानियाँ

1. शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर :

अंजलि साहू, कक्षा 8 पास : अंजलि सरकारी विद्यालय से पढ़कर शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर में 6वीं कक्षा में प्रवेश लेने आई थी। चूंकि उसकी अंग्रेजी अत्यन्त कमजोर थी इस कारण शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में उसे एक कक्षा पीछे करके 5वीं में प्रवेश दिया गया। उसके पश्चात स्कूल के अध्यापकों ने उसकी अंग्रेजी पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया। अंजलि भी कड़ी मेहनत करने लगी न सिर्फ अंग्रेजी बल्कि सारे विषयों में। वह स्कूल की अन्य गतिविधियों जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेलकूद आदि में भी बढ़चढ़कर भाग लेने लगी। फलस्वरूप अंजलि ने 8वीं बोर्ड परीक्षा में सभी विषयों में ए+ ग्रेड लाकर विद्यालय एवं अभिभावकों का नाम रोशन किया।

देवीलाल गमेती के पिताजी का स्वर्गवास हो चुका था। उसने कक्षा 2 के बाद विद्यालय जाना भी बन्द कर दिया था। जब उसका शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में प्रवेश कराया गया तब वह बहुत ही डरा–डरा सा रहता था एवं बोलने भी काफी समस्या रहती थी। इस विद्यालय में प्रवेश के समय उसकी उम्र 12 वर्ष हो चुकी थी लेकिन वह पढ़ाई में अत्यन्त कमजोर था। लेकिन शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर के शिक्षकों ने अपार मेहनत करके उसे एक ही वर्ष में तीन कक्षाएँ पढ़ाई। देवीलाल भी अच्छे शैक्षिक वातावरण में ढल कर भरपूर मेहनत करने लगा। परिणामस्वरूप वह आज कक्षा 4 का एक बहुत ही प्रतिभावान छात्र है जो हर कार्यक्रम में बड़े ही जोश–खरोश से भाग लेता है। शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन एवं देवीलाल स्वयं की कड़ी मेहनत से आज उसका कार्याकल्प हो चुका है एवं शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में प्रवेश लेना उसके जीवन में मील का पत्थर बन गया है।

2. मस्ती की पाठशाला :

पंकज, कक्षा 6 : एक दिन पंकज अपने मित्र के बर्थडे पार्टी से घर आ रहा था। काफी रात हो गई थी और बारिश भी हो रही थी। एक बूढ़ी औरत ने पंकज को कहा कि ''मुझे घर छोड़ दो कुछ साफ दिखाई नहीं दे रहा।'' तब पंकज ने उस औरत की मदद की। भीगते हुए उस बुढ़ी औरत को उसके घर तक छोड़ कर आया।

खुशबू, कक्षा 7 : एक दिन खुशबू स्कूल से घर जा रही थी। उसे एक कबूतर दिखा जो जख्मी था। वह उसे अपने घर ले गई। चार दिन तक उसके मरहम–पट्टी की, दाना पानी दिया। जब वो ठीक हो गया तो उसे छोड़ दिया।

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000/- प्रति वर्ष

01.09.2018

दैनिक भास्कर के रमेश एंड शारदा अग्रवाल फाउण्डेशन के ''अहा जिन्दगी... जश्न हर पल'' के बैनर तले रोटरी क्लब पन्ना के साझे में बुजुर्गों को शुक्रवार को आयनॉक्स में 'गोल्ड' मूवी दिखाई गई। तारा संस्थान के बुजुर्गों ने इस पल को खुलकर जिया।

तारा नेत्रालय - उदयपुर

रेटिना (आँख के पर्दे) की नि:शुल्क जाँच

तारा नेत्रालय, उदयपुर में Retina (आँखों के पर्दे) की नि:शुल्क जाँच की सुविधा दिनांक 11 अक्टूबर, 2018 को रेटिना के विशेषज्ञ डॉ. द्वारा की जायेगी।
भविष्य में इसे नियमित भी किया जायेगा।
आप सभी जो पर्दे की बीमारी से ग्रसित हैं कृपया तारा नेत्रालय के कमरा नं. 7 में Registration करावें या इस फोन नं. 7821855725 पर सम्पर्क करें।

13.09.2018

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर तारा संस्थान परिसर में मिट्टी की मूर्ति बनाकर गणपति स्थापना की गई।

14.09.2018

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा झुग्गी–झोपड़ियों के बच्चों की शिक्षा हेतु चलाई जा रही मस्ती की पाठशाला के नन्हें–मुन्हों ने गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर मिट्टी से गणपति की मूर्तियाँ बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विपरीत परिस्थितियों में भी जो ईमान, साहस और धैर्य को कायम रख सके, वही सच्चा शूरवीर है।

22.09.2018

गुरुनानक कन्या पी. जी कॉलेज, उदयपुर की छात्राओं ने आनन्द वृद्धाश्रम का दौरा किया। इस दिन उन्होंने वृद्धाश्रम परिसर की साफ सफाई में मदद की तथा वृद्धजनों के साथ गीत संगीत पर नाच–गाकर आनन्द लिया।

28.09.2018

आनन्द वृद्धाश्रमवासी 28 सितम्बर को प्रताप पार्क, सीसारमा, उदयपुर में पिकनिक मनाने गए एवं वहाँ भ्रमण का आनन्द लिया।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer

ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. **2,00,000/-**

(दो लाख रुपए)

Flash Autoclave Statim 2000 G4

फ्लेश ऑटोक्लेव स्टेटिम 2000 जी4

एक ऐसा साधन है, जो उपकरणों और सामग्रियों को उनके भार और अन्तर्वस्तु के आधार पर, उच्च दबाव वाले वाष्प के अधीन रखकर, उन्हें निष्कीटित करता है।

कीमत रु. **4,13,000/-** (चार लाख तेरह हजार रुपये)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु.	09 ऑपरेशन - 27000 रु.	06 ऑपेरशन - 18000 रु.
03 ऑपरेशन - 9000 रु.	01 ऑपरेशन - 3000 रु.	

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

नेत्र शिविरों में विशिष्ट व्यक्ति :

तारा नेत्रालयों द्वारा नियमित रूप से लगाए जा रहे शिविरों में समय-समय पर अनेक विशिष्ट व्यक्तियों (वी.आई.पी.) का आगमन होता रहता है जैसे कि विगत 24 सितम्बर, 2018 को आयोजित दिल्ली शिविर में डॉ. हर्षवर्धन (केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार) मुख्य अतिथि के रूप में पधारे थे।

इसी प्रकार श्रीमती मीनाक्षी लेखी (सांसद, लोक सभा) भी दिनांक 17 सितम्बर, 2018 को न्यू खन्ना मार्केट, नई दिल्ली में आयोजित शिविर में मुख्य अतिथि थी।

यदि आपके पास सच्ची लगन है तो सफलता स्वयं आपके कदम चूमेगी।

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह सितम्बर – 2018 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्री बाला टेन्ट हाउस (परमेश्वर लाल जांगिड़) – सीकर (राज.), श्री हनुमान प्रसाद विश्वोई – सीकर (राज.)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्री गोपाल लाल शर्मा – भवानी मण्डी (राज.), रिलीफ एवं बिल्ड एशिया फाउण्डेशन – दिल्ली, जैन चेरिटेबल हॉस्पीटल – दिल्ली, श्री केशव भटनागर एवं परिवार – दिल्ली, वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब – दिल्ली, मनोहरी देवी बिन्दल चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) – दिल्ली, हीरालाल मोहनलाल रिटा गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट – दिल्ली, राजस्थान क्लब – दिल्ली, सीताराम अग्रवाल चेरिटेबल फाउण्डेशन – दिल्ली, वर्धमान प्लाजा – दिल्ली, कमला देवी मेमोरियल एजुकेशन वेल्फेयर एवं चेरिटेबल सोसायटी – दिल्ली, श्रीमती रानी माथुर सपरिवार – नई दिल्ली 14, ठक्कर परिवार – दिल्ली, श्रीमती सुषमा – श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, ए.बी. शुगर्स लिमिटेड – होशियारपुर (पंजाब), श्रीमती उषा अग्रवाल, श्रीमती मुन्नी टण्डन (सिल्वर गोल्ड पॉईण्ट) – बरेली (उ.प्र.), श्रीमती बिमला – सतवीर यादव – गुड़गाँव नेशनल ऑग्रेनाईजेशन फॉर सॉशल वेल्फेयर ट्रस्ट – फरीदाबाद,

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद (उ.प्र.)
नंदिनी पब्लिक स्कूल, टेम्पो स्टेण्ड के सामने, नन्दग्राम, गाजियाबाद (उ.प्र.)
आर.डी. वंशिका पब्लिक स्कूल, शबगा, बागपत (उ.प्र.)

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 19 शिविर (देशभर में)

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

Thanks :

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Shanti Lal P. - Lt. Mrs. Kalavati S. Shah
Andheri, Mumbai (MH)

Mr. Amit Bhai - Mrs. Mita Ben
Surat (Guj.)

Mr. Jagdish Prasad - Mrs. Rama Rani Agrawal
Allahabad (U.P.)

Mr. Amar Singh - Mrs. Kamla Thakur
Ujjain (M.P.)

Mr. Sourabh Sukheja & Family
Bikaner (Raj.)

Prof. R.M. Talwani - Mrs. Chandra Kanta
Ludhiana (PB)

Ex. Principal Raghubir Singh Sandal
Mrs. Premlata, Hoshiarpur (PB)

Mr. C.M. Gupta - Lt. Mrs. Maya Gupta
Delhi

Mr. Dhanram Prajapat- Mrs. Gaura Devi
Chhapar - Churu (Raj.)

Mr. Atul Doshi
Bhopal (M.P.)

Mr. Omprakash Savarmal
Agrawal, Thane (MH)

Lt. Mrs. Hemlata Mittal
Agra (U.P.)

Miss. Diva Gupta
Bikaner (Raj.)

Mr. Uvanya Gupta
Bikaner (Raj.)

Mr. Ratan Gauran
Pur - Bhilwara (Raj.)

Mr. Ram Gopal Arya
Bikaner (Raj.)

Mr. Satpal Goyal
Patiala (PB)

Mr. Harsh Vardhan Singh
S/o Mr. Chandan Singh
Jaipur (Raj.)

Mrs. Harish Bala
Ludhiana (PB)

Mr. Rajesh Gupta
Delhi

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्री मदन लाल चौधरी, ठाणे (महा.)

श्री के.एन. मूर्ति, दुर्ग (छ.ग.)

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री अशोक कुमार बोलिया एवं श्री अरुण भंडारी, उदयपुर

श्री महावीर प्रसाद जैन, उदयपुर

श्रीमती एवं श्री देवेन्द्र कुमार जैन, ग्वालियर (म.प्र.)

श्रीमती एवं श्री अनिल जी, नागालैण्ड

श्री राजीव मित्तल एवं परिवार, फरीदाबाद (हरि.)

श्री सतीश चन्द्र एवं श्री कुशलेश पालीवाल, अलीगढ़ (उ.प्र.)

जिसके पास धैर्य है, वह जो कुछ इच्छा करता है, प्राप्त कर सकता है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAK

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Sunil Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855752

Santosh Sharma
Area Chennai
Cell : 07821855751

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

'TARA' CENTRE - INCHARGE

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNT

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965 ..... IFSC Code : icic0000045
State Bank of India ..... A/c No. 31840870750..... IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank ..... A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank ..... A/c No. 912010025408491 .. IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank..... A/c No. 12731450000426.... IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank ..... A/c No. 0169101056462 ..... IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India... A/c No. 3309973967 ..... IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank .. A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300
Yes Bank ..... A/c No. 065194600000284 .. IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. : +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur

#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad

25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town,
Allahabad - 211022 (U.P.)
Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad

866, Sec - 15A,
Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur

H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, अक्टूबर - 2018
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	YES Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273		

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8:20 से 8:40 बजे

'आस्था भजन' प्रातः 8:40 से 9:00 बजे

'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे

बुक पोस्ट

Tara
तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org